Fourteenth Loksabha

Session : 7

Date : 20-03-2006

Participants : Sharma Shri Madan Lal,Singh Ch. Lal,Ahmad Dr. Shakeel

an>

Title : Issue regarding functioning of Chief General Manager's Office (Telecommunications) in J&K.

चौधरी लाल सिंह (उधमपुर) : डिप्टी स्पीकर साहब, मैं आपकी परमीशन से, हाउस में जम्मू-कश्मीर राज्य के बारे में एक अर्जेंट मैटर पर खासकर टैलीकम्युनिकेशन मिनिस्ट्री का तवज्जुह दिलाना चाहता cÚÆ[rpm1]।

15.00 hrs.

हम दोनों जम्मू के एम.पीज़. ने जोइण्टली रिटिन में भी इनको एक रिप्रेजेण्टेशन दिया है। मेरे कहने का मकसद यह है कि टैलीकम्युनिकेशन का एक चीफ जनरल मैनेजर आफिस जो कश्मीर में चलता था। जब मिलीटेंसी हुई तो इनके लोग भी मारे गये।...(व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Silence please. No murmuring.

चौधरी लाल सिंह : मिलीटेंसी के कारण वह आफिस जम्मू में माइग्रेट किया गया, ट्रांसफर किया गया। जो जम्मू में जी.एम. का आफिस चलता था, वहां सी.जी.एम. का आफिस बना दिया गया। आज 15-16 साल से मुतवातिर वह आफिस चल रहा है। अब यह बात सुनने में आई है, मैं हैरान हूं, इस समय स्टेट में जम्मू-कश्मीर के जितने भी डायरैक्टोरेट आफिस हैं, जैसे एग्रीकल्चर का था, हार्टीकल्चर का था, टूरिज्म का था, उन सारों को ही बाइफरकेट किया गया, उनको इण्डीपेंडेंटली बनाया गया। मैं यह रिक्वैस्ट करना चाहता हूं, ये खामख्वाह जम्मू में एक नई बात को न फैलायें, ये कन्फ्यूज़न क्रिएट न करें, लॉ एण्ड ऑर्डर की प्राब्लम क्रिएट न करें। हम एम.पीज़. भी उसमें शामिल होंगे, यह पक्की बात है, It is very clear, यह हम कहते हैं कि अगर किसी किस्म की भी जम्मू से आफिस आप उठाने की किसी ने साजिश की। अभी सुनने में आया कि पिछले दिनों मीटिंग हुई कि आफिस श्रीनगर ले जाओ। जब वहां से बन्दे माइग्रेट होते हैं, मरते हैं तो उनको हम अपने सिर पर उठाते हैं, लाते हैं। अभी भी उसमें 200 माइग्रेंट फैमिलीज़ इसी डिपार्टमेंट के 200 एम्पलाइज़ सी.जी.एम. आफिस में काम कर रहे हैं।

कहने का मकसद यह है कि अगर जरूरी ही देना है तो आप उनको एक इण्डीपेंडेंटली आफिस दे दीजिए, सी.जी.एम. आफिस बना दीजिए ताकि जम्मू में इम्बेलेंस की बात कोई न कहे। अगर हमारी चीज उठकर वहां चली गई तो इस बात में कन्फ्यूज़न रहेगा, झगड़ा रहेगा और सबसे ज्यादा झगड़ा हम करेंगे, यह बिल्कुल क्लियर है, यह हम कहना चाहते हैं। यह आफिस, वैसे तो जा ही नहीं सकता, हम इतने कमजोर नहीं हैं कि हमारा आफिस चला जायेगा। ...(व्यवधान)

जहां तक डैवलपमेंट का सवाल है, दो मिनट की बात है। कश्मीर में अगर डब्लू.एल.एल. बनने लगा तो कश्मीर में 24 हजार लगे और जम्मू में 6 हजार लगे, हालांकि हिली टैरेन जम्मू में सबसे ज्यादा है। सबसे ज्यादा एरिया जम्मू में है, एक-एक डिस्ट्रिक्ट 12-12 हजार स्क्वायर किलोमीटर का है। तीन श्रीनगर हों तो एक जम्मू बनता है, इसलिए मैं कहना चाहता हूं। जहां तक मोबाइल की सर्विसेज़ का सवाल है, टेलीफोन की सर्विस का सवाल है, कश्मीर में बहुत ज्यादा दी गईं, उसमें हमें कोई एतराज नहीं है कि वहां पर डैवलपमेंट हो, लेकिन कोई कहे कि हमारा हिस्सा उठकर कहीं चला जायेगा तो हम फाइट करेंगे।

श्री मदन लाल शर्मा (जम्मू) : उपाध्यक्ष जी, अभी जो बात कही गई, मैं इसी मसले पर एसोसिएट करना चाहता हूं।...(व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: इनको एसोसिएट कर दें। This is not going on record. आपका नोटिस नहीं है, फिर भी मैंने एसोसिएट करा दिया।

(Interruptions) *

MR. DEPUTY-SPEAKER: Shri Madan Lal Sharma, your name will be associated.

… (*Interruptions*)

MR. DEPUTY SPEAKER: Your name has been associated.

… (*Interruptions*)

उपाध्यक्ष महोदय : लाल सिंह जी, बैठ जायें। आपका पाइंट आ गया, प्लीज़ बैठ जायें। श्री प्रभुनाथ सिंह जी।

---

* Not Recorded

CHAUDHARY LAL SINGH : The hon. Minister is here. He should reply.… (*Interruptions*)

संचार और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय में राज्य मंत्री (डॉ. शकील अहमद) : हमने सूचना ग्रहण कर ली है।…(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : आपका पाइंट उन्होंने नोट कर लिया, इसलिए उसके बारे में सोचेंगे।

…(व्यवधान)